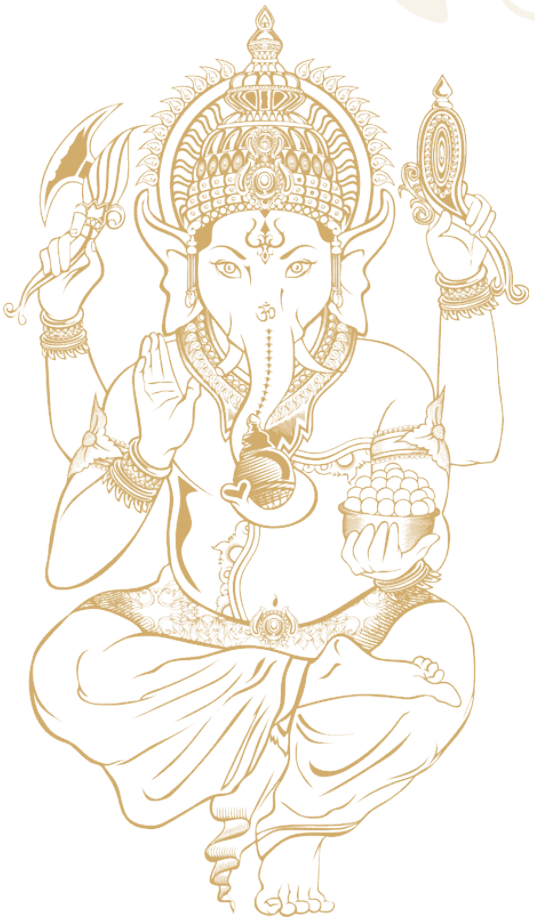

Mr. sparsh

17 Mar 2005

10:39 AM

Ghaziabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121112005

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**17/03/2005**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**10:39:00 घंटे**
इष्ट	10:27:15 घटी
स्थान	**Ghaziabad**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	28:40:00 उत्तर
रेखांश	77:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:18:44 घंटे
वेलान्तर	-00:08:22 घंटे
साम्पातिक काल	21:58:15 घंटे
सूर्योदय	06:28:05 घंटे
सूर्यास्त	18:29:38 घंटे
दिनमान	12:01:32 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	02:46:56 मीन
लग्न के अंश	20:04:03 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 1**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	आयुष्मान
करण	वणिज
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वे-वेद
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	20:04:03	361:48:49	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	केतु	---
सूर्य			मीन	02:46:56	00:59:43	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	मित्र राशि
चंद्र			वृष	26:15:31	12:05:54	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	गुरु	मूलत्रिकोण
मंगल			मक	03:31:16	00:43:15	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	उच्च राशि
बुध			मीन	19:38:05	00:23:12	रेवती	1	27	गुरु	बुध	शुक्र	नीच राशि
गुरु	व		कन्या	22:12:14	00:06:54	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र		अ	कुंभ	29:15:47	01:14:45	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	मित्र राशि
शनि	व		मिथु	26:29:19	00:00:33	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	मित्र राशि
राहु			मीन	29:08:58	00:00:17	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	सम राशि
केतु			कन्या	29:08:58	00:00:17	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	13:57:29	00:03:19	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	---
नेप			मक	22:37:12	00:01:51	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
प्लूटो			धनु	00:33:35	00:00:20	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	---
दशम भाव			कुंभ	03:26:05	--	धनिष्ठा	--	23	शनि	मंगल	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:41

लग्न-चलित

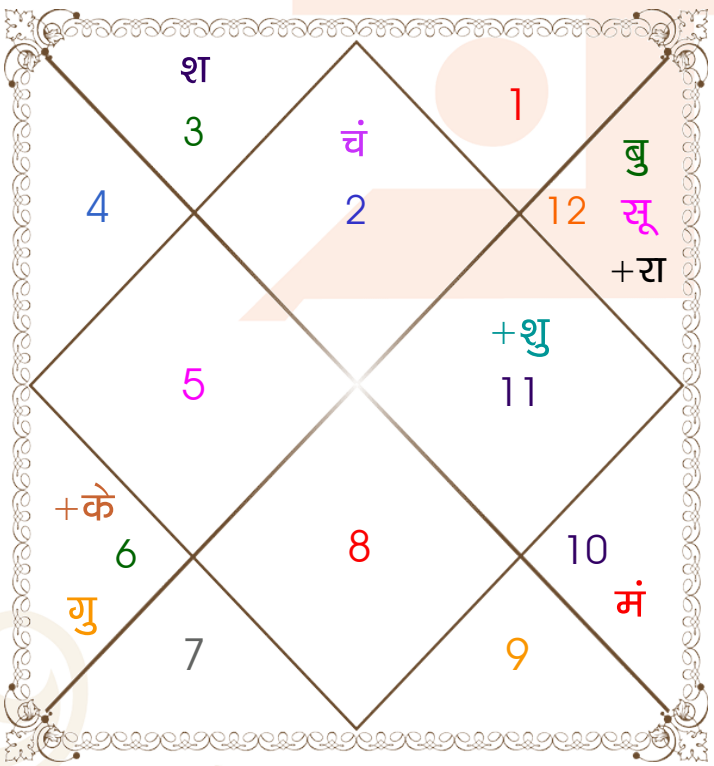

चन्द्र कुंडली

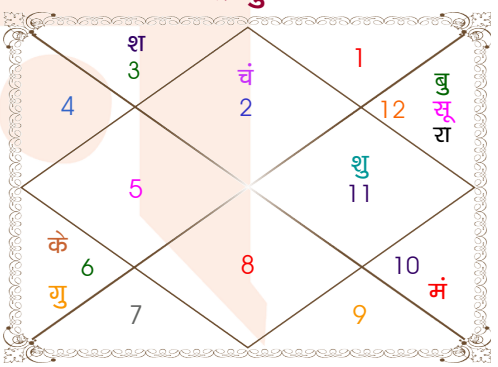

नवमांश कुंडली

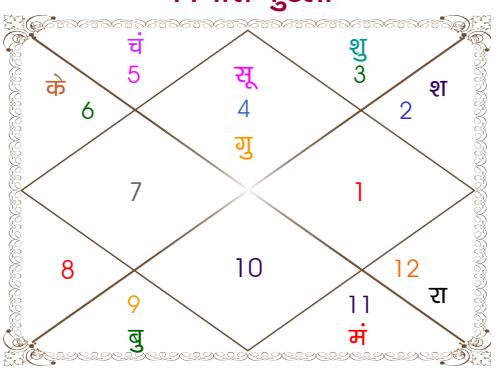

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 5 वर्ष 5 मास 17 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
17/03/2005		03/09/2010		02/09/2028		02/09/2044		03/09/2063	
03/09/2010		02/09/2028		02/09/2044		03/09/2063		02/09/2080	
	00/00/0000	राहु	16/05/2013	गुरु	21/10/2030	शनि	06/09/2047	बुध	30/01/2066
	17/03/2005	गुरु	10/10/2015	शनि	04/05/2033	बुध	16/05/2050	केतु	27/01/2067
गुरु	24/01/2006	शनि	15/08/2018	बुध	10/08/2035	केतु	25/06/2051	शुक्र	27/11/2069
शनि	04/03/2007	बुध	04/03/2021	केतु	16/07/2036	शुक्र	25/08/2054	सूर्य	03/10/2070
बुध	01/03/2008	केतु	22/03/2022	शुक्र	17/03/2039	सूर्य	07/08/2055	चंद्र	04/03/2072
केतु	28/07/2008	शुक्र	22/03/2025	सूर्य	03/01/2040	चंद्र	07/03/2057	मंगल	01/03/2073
शुक्र	27/09/2009	सूर्य	14/02/2026	चंद्र	04/05/2041	मंगल	16/04/2058	राहु	18/09/2075
सूर्य	02/02/2010	चंद्र	16/08/2027	मंगल	10/04/2042	राहु	20/02/2061	गुरु	24/12/2077
चंद्र	03/09/2010	मंगल	02/09/2028	राहु	02/09/2044	गुरु	03/09/2063	शनि	02/09/2080

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
02/09/2080		03/09/2087		04/09/2107		03/09/2113		04/09/2123	
03/09/2087		04/09/2107		03/09/2113		04/09/2123		00/00/0000	
केतु	29/01/2081	शुक्र	02/01/2091	सूर्य	23/12/2107	चंद्र	05/07/2114	मंगल	31/01/2124
शुक्र	31/03/2082	सूर्य	03/01/2092	चंद्र	22/06/2108	मंगल	03/02/2115	राहु	18/02/2125
सूर्य	06/08/2082	चंद्र	02/09/2093	मंगल	28/10/2108	राहु	04/08/2116	गुरु	18/03/2125
चंद्र	07/03/2083	मंगल	03/11/2094	राहु	22/09/2109	गुरु	04/12/2117		00/00/0000
मंगल	04/08/2083	राहु	02/11/2097	गुरु	11/07/2110	शनि	05/07/2119		00/00/0000
राहु	21/08/2084	गुरु	04/07/2100	शनि	23/06/2111	बुध	04/12/2120		00/00/0000
गुरु	28/07/2085	शनि	04/09/2103	बुध	28/04/2112	केतु	05/07/2121		00/00/0000
शनि	06/09/2086	बुध	05/07/2106	केतु	03/09/2112	शुक्र	05/03/2123		00/00/0000
बुध	03/09/2087	केतु	04/09/2107	शुक्र	03/09/2113	सूर्य	04/09/2123		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 5 वर्ष 5 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रोहिणी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृष लग्न के उदित काल, कर्क नवमांश एवं मकर द्रेष्काण में हुआ था। आप आश्चर्यजनक उत्साह, आत्मिक शक्ति से युक्त है। आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति में शिला के समान स्थिर रह कर, सांसारिक सुख एवं भोग विलास युक्त जीवन प्राप्त करेंगे।

आप सदैव उद्देश्य की तलाश में अपने लक्ष्य की ओर निश्चित रूप से बढ़ते रहेंगे। आप अपना महत्वपूर्ण कीर्ति स्तंभ निसंदेह रूप से स्थापित करेंगे, क्योंकि आप अपनी योजना के द्वारा ही अपनी कार्य व्यवस्था को उपयुक्त कर लेंगे। आप कभी भी छलांग नही लगाते। आप समय की प्रतिक्षा करते हैं। समय आने पर पूर्वनिर्धारित योजना के अनुरुप कार्य करते हैं। जब आप अपना लक्ष्य निर्धारित कर कार्यारंभ करते हैं तो निश्चित रूप से सभी विषयों की ओर से विमुख होकर, अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु प्रयत्नशील रहते हैं। आप अपने अपरिवर्तित लक्ष्य के प्रति आश्वस्त होकर सफलता पूर्वक प्राप्त कर लेते हैं। क्योंकि आप दिवा स्वप्न द्रष्टा नही हैं। बल्कि कठिन श्रम करके उत्साहपूर्वक उपलब्धि प्राप्त करते हैं। परिणाम रुवरूप आप यथेष्ठ रूप से भौतिकी लाभ बिना किसी भी प्रकार की हानि अथवा बिना अपव्यय किए ही प्राप्त कर लेंगे। आप अपनी धन लोलुप्ता के प्रभाव से तथा कंजूसी से अपने धन संपत्ति में वृद्धि प्राप्त करेंगे।

आप प्रेम संबंधित क्षेत्र में सांसारिक सुख भोग एव विलासिता संबंधी आनंद प्राप्ति हेतु धन व्यय करेंगे। आप यदि समय-समय पर आलस्य करना त्याग दें तो सहजता पूर्वक आनंदमय जीवन की स्थापना कर सकते हैं। अर्थात अपना जीवन आनंदमय बना सकते हैं।

आप में इस बात का अभाव है कि आप अपनी धन प्राप्ति संबंधित महत्वकांक्षा को पूरा करने में असफल हो जाते हैं।

आप शारीरिक रूप से सामान्य कद के गोल-मटोल, मांसल अंगों से युक्त, देहधारी प्राणी हैं। प्रमुख रूप से आपका मस्तक बड़ा एवं आंखे आकर्षक हैं।

आप अपने व्यवसाय के प्रति अभिरूचि युक्त, निष्ठावान होकर धनोपार्जन हेतु शक्ति संपन्नता से व्यस्त, बिना किसी भी व्यवधान के तथा बिना भ्रमित हुए, निर्विवाद होकर सफलता प्राप्ति हेतु व्यस्त रहेंगे।

परंतु यदि आपका कोई शत्रु गलत तरीके से आपके कार्य में बाधा उत्पन्न करता है, तो आप पीछे उलटकर उस पर सांढ़ की तरह क्रोधित होकर कठिन प्रहार करेंगे।

आप शांतिपूर्वक अपने पारिवारिक स्नेहिल जीवन को आरामदायक एवं प्रिय बनाकर रहेंगे।

आप अपने परिवार को अच्छि प्रकार स्थापित करने के मार्ग पर अग्रसर होकर अपने परिवार एवं अपने दांपत्य जीवन के वातावरण को सुखद बनाने के लिए सभी व्यवस्था करेंगे।

आपका स्वभाव वृषभ राशीय है। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं शरीर हृष्ट-पुष्ट है। परंतु आप स्वभाव से अति संवेदनशील, तथा किसी भी प्रकार के दर्द के प्रति कठिनाई अनुभव करने वाले हैं। यदि आप शारीरिक रूप से किसी भी प्रकार की असमर्थता अनुभव किया तो किसी तरह अंगहीन हो सकते हैं। संप्रति आपकी क्षमता ऐसी है कि आप सामान्य और सीमित रोगों का सामना कर सकते हैं। परंतु आप में शीघ्रता पूर्वक स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति नहीं है। फलस्वरूप आपको पूर्णरूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में विलंब हो सकता है। आप किसी भी प्रकार से सुरक्षित कार्य संपादन में विश्वास रखने वाली प्राणी हैं तथा ऐसा ही करती हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अनुकूल रंग गुलाबी सफेद एवं हरा रंग उत्तमता का प्रतीक है। आपके लिए लाल रंग अच्छा नहीं है। अतः आप लाल रंग को अपघात सूचक समझें।